पापा के दोस्त ने मुझे नंगी देखा और ...

मरे अब्बू के दोस्त हमारे घर आते रहते थे. मैं उनके सामने ही जवान हुई हूँ. एक बार अंकल ने मुझे बाथरूम में मूतते हुए देख लिया. और उसके बाद नंगी

नहाते भी ... उसके बाद

Story By: charlie Joseph (charliej75531)

Posted: Friday, July 26th, 2019

Categories: जवान लड़की

Online version: पापा के दोस्त ने मुझे नंगी देखा और ...

पापा के दोस्त ने मुझे नंगी देखा और ...

? यह कहानी सुनें

दोस्तो, मेरा नाम है चार्ली!मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूँ। अभी-अभी मैंने बी.ई. पास किया है.

और अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज़ पर मेरी कई कहानियाँ आ चुकी हैं। मेरी पिछली कहानी कुलीग से पहले फ्लर्ट फिर हॉट चुदाई

के बाद काफी मेल आये मुझे। उनमें से कुछ लड़िकयों के मैसेज थे और कुछ भाभियों के। जो भी मेल मेरे पास आये उनमें से कितनी असल में लड़िकयाँ हैं और कितने लड़कों ने लड़की की आई-डी बनाकर मेल किया है ये तो मैं नहीं जानता लेकिन फिर भी जिन्होंने भी मुझे मेल किया उनका धन्यवाद करता हूँ।

तो आते हैं आज की मेरी नई कहानी पर जो मेरी एक प्रशंसिका ने मुझे भेजी है। यह कहानी उसके साथ घटी हुई सच्ची घटना पर आधारित है। मैंने बस इस कहानी में कुछ पात्र और कुछ मसाला ही अपनी ओर से डाला हुआ है कहानी को ज्यादा रोचक और कामुक बनाने के लिए।

मैं आशा करता हूं कि आपको यह कहानी भी मेरी पिछली कुछ कहानियों की तरह गरमागरम लगेगी और सभी मर्द अपने लौड़ों को हिलाते हुए बैठेंगे और सभी लड़िकयाँ, औरतें अपनी चूत में अपनी उंगलियाँ घुसा कर कहानी पढ़ेंगी।

तो चलिए सुनते हैं मेरी एक प्रशंसिका शरमीन की कहानी उसी की जुबानी।

हेलो फ्रेंड्स ... मेरा नाम शरमीन खान है और मैं महाराष्ट्र से हूं। मैं कॉलेज स्टूडेंट हूं। मैं एक कट्टर परिवार से सम्बन्ध रखती हूं। मेरी उम्र अभी 20 साल है। रंग गोरा गोरा है और हाइट 5 फुट 3 इंच है। मेरा फिगर 34c, 30,35 है। जब मैं 18 साल की थी, उस समय मैंने फर्स्ट सेक्स किया था वो भी उनके साथ जो मेरे अब्बू के दोस्त हैं।

मेरे अब्बू के दोस्त का नाम निहाल मिश्रा है। मैं उन्हें मिश्रा अंकल कह कर बुलाती हूँ. अंकल का हमारे घर पर आना जाना रहता है, उनके सामने मैं छोटी से बड़ी हुई हूं, उनकी गोद में खेली हूँ तो अक्सर उनके सामने बिना दुपट्टे के आ जाती हूं। पर मैं घर से बाहर नकाब और बुर्का पहन के ही निकलती हूं।

वैसे तो मेरे घर का माहौल बहुत ही सख्त था और मुझे ज्यादातर लड़कों से बात करने भी नहीं दी जाती थी। इस वजह से मैं हमेशा पाबंदी में बड़ी हुई। और मुझे भी लड़कों से बात करने में इतनी भी दिलचस्पी नहीं रहती थी। मैं बिल्कुल सीधी साधी लड़की थी जो बस पढ़ाई और अपने घर वालों के साथ मस्ती में मगन रहती थी।

जैसे जैसे मुझे जवानी चढ़ती जा रही थी, वैसे-वैसे आजू बाजू के और मोहल्ले के लोग मुझे घूरने लगे थे। मैं हूँ ही इतनी बेमिसाल कि सब लोग मुझे घूरें। पर मैं ज्यादातर किसी को चारा नहीं डाला करती थी।

पर वो कहते हैं ना कि जब मौका मिलता है तो देने वाला और लेने वाला दोनों भी ले ही लेते हैं। चाहे वह कोई चीज़ हो या कोई चूत। यही हालत मेरी भी हुई थी। जब मैंने अपनी चूत दी तो पूरे दिलो जान से दी और जिसने मेरी चूत ली उसने भी बहुत दिलोजान से भी।

हम दोनों के इस लेन-देन में इतना ज्यादा मजा था कि हम दोनों को पता ही नहीं था कि आगे क्या होने वाला है।

इसलिए दिन में मेरी गांड भी मारी गई ... उसको फाड़ा गया और वह भी एक तगड़े लौड़े से। हालांकि वह इतना तगड़ा नहीं था पर मेरे लिए पहली बार में बहुत ही ज्यादा तगड़ा था।

एक दिन दोपहर से कॉलेज से घर जल्दी आई तो मुझे बहुत जोर से पेशाब लगी थी। मैंने जल्दी जल्दी में सोफे पर बैग रखा और नकाब उतारा और सीधे बाथरूम में घुस गई। मैंने यह नहीं देखा था कि घर में उस वक़्त कौन है।

हमारे बावर्चीखाना में मिश्रा अंकल अम्मी और अब्बू के साथ खाना बनाने में मदद कर रहे थे। मुझे लगा घर में कोई भी जेंट्स नहीं है क्योंकि किसी की कुछ आवाज़ नहीं आ रही थी और मेरा ध्यान तो बस मूत को रोके रखने में था।

तो मैंने बाथरूम के बाहर ही बुर्का उतारा और जल्दी जल्दी में बाथरूम का दरवाजा बंद किए बिना ही पेशाब करने बैठ गई। मुझे वैसे भी जोर से लगी थी तो इतना मैंने सोचा भी नहीं।

तभी मिश्रा अंकल वहाँ आए कुछ सामान लेने के लिए पर बिना किसी आवाज़ के ... और उन्होंने यह सब देख लिया कि मैं बिना दरवाज़ा बंद किये मूत रही हूँ। मगर मम्मी की मेरी तरफ पीठ थी और मिश्रा अंकल ने चुपके से फोन में मेरे मूतने की सारी प्रक्रिया रिकॉर्ड करने लगे।

मैंने न उनकी तरफ ध्यान दिया था और न ही उनके हाथ में रहे मोबाइल की तरफ।

उस वक़्त बाहर का माहौल कुछ ज्यादा ही गर्म था और मैंने मूतने के फ़ौरन बाद नहाने का सोचा। मेरा पूरा बदन गर्मी की वजह से और पसीने की वजह से चिपचिपा हो चुका था। इस वजह से मैंने नहाने के लिए ब्रा पेंटी सब उतार दी और नहाने लग गई। मेरा ध्यान अभी भी बहार नहीं था, मैंने तो बस अपने नहाने पर ध्यान लगाया था।

मैंने तब अपने बदन को अच्छे से रगड़ के साफ़ किया।

जब मैं नहा कर बाहर निकली तो देखा कि मिश्रा अंकल सामने खड़े हैं। मैं कुछ बोल ही नहीं सकती थी क्योंकि मेरे पैरों तले से ज़मीन खिसक गई थी और मैं ऐसे ही खड़ी रही।

न ही अंकल कुछ बोले ... बस मुझे देख के अपने लौड़े को सहला के इशारे करते रहे और मुस्कुराते रहे।

मैं उन्हें बिना कुछ बोले वहाँ से अपनी कमरे में चली आई। पता नहीं मुझे वह नज़ारा देख कर क्या हुआ जो अंकल अपना लण्ड सहला रहे थे। उस दिन पूरी रात मैं इसी बारे में सोचती रही कि उन्होंने ऐसा क्यूँ किया होगा।

यह सोचते सोचते पता नहीं मेरी उंगलियों ने मेरी चूत का रास्ता कब पकड़ लिया और मैं अपनी गर्म चूत को दबाने, सहलाने लगी। पता नहीं मैं कितनी देर तक सहलाती रही थी क्योंकि अभी तक मुझे चूत में उंगली करने का न तो कुछ ज्ञान था और न ही इसके बारे में किसी ने मुझे बताया था।

अपनी चूत में अच्छी तरह से उंगली न कर पाने की वजह से मेरा उस रात पानी नहीं निकला और मैं ऐसे ही सो गयी।

फिर दूसरे दिन कॉलेज गई कॉलेज की छुट्टी हुई तो देखती हूं मिश्रा अंकल गेट पर खड़े हैं और मेरा इंतजार कर रहे थे।

मैंने मिश्रा अंकल को अपनी तरफ देखते हुए दूर से ही पकड़ लिया था। पर मैंने जैसे उनको देखा ... मुझे बीते दिन का सीन पूरा याद आ गया और मैं उनको नजरअंदाज करके अलग रास्ते से जाने लगी।

पर तभी मेरी दो सहेलियां आई और उन्होंने मुझे उसी रास्ते से पकड़ कर अपने साथ ले कर जाने लगी जिस रास्ते पर मिश्रा अंकल मेरी राह देख रहे थे। मैंने तब भी उनकी तरफ इतना ध्यान नहीं दिया और मैं अपनी सहेलियों के साथ बात करती हुयी आगे निकल रही तभी अचानक से उन्होंने मुझे आवाज दी और मुझे मजबूरन रुकना पड़ा। जब उन्होंने मुझे अपनी तरफ बुलाया जब मैं थोड़ी सी शर्मा के और थोड़ी सी घबराहट में उनके पास गई।

फिर मैंने पूछा- अंकल आप यहां कैसे?

तो वो बोले- बाजू में काम से आया था और अभी तेरे अब्बू से मिलने तेरे ही घर जा रहा हूं। सोचा कि तुझको छोड़ देता हूं। और थोड़ी सी तुम से बात भी हो जाएगी। मैं बोली- अंकल मैं चली जाऊंगी। मेरे साथ मेरी सहेलियाँ भी है। वो भी हमारे घर की तरफ ही जाती हैं।

मगर मेरी बहुत कोशिशों के बाद भी वे नहीं माने और मुझे बाइक पर बैठा कर घर लेकर गए।

रास्ते में उन्होंने घर से 10 मिनट पहले बाइक रोकी और मुझे बोला- बाइक से उतरो। मैंने पूछा- क्या हुआ अंकल ? अभी तो घर आना बाकी है तो आप यहाँ पर क्यों रोक रहे हो ?

यह सवाल पूछते हुए ही मेरी गांड फट रही थी और अब मुझे पूरी तरह से पसीने निकल रहे थे। मैं यह सोच रही थी कि पता नहीं अंकल आप मुझसे क्या बोलेंगे। या शायद हो सकता है कि वे मुझे जोर से डांट भी दें, इसलिए मैं बहुत ज्यादा डर रही थी।

तो उन्होंने मुझे उतरने को कहा।

मैं जैसे ही बाइक से उतरी, अपने फोन को उनकी जेब से निकाला और उसमें से मुझे वे वीडियो दिखाए जो उन्होंने कल बना लिए थे। मैं अब और ज्यादा घबरा गई, मेरी आंखों से आंसू आने लगे।

मैं बोली- अंकल यह क्या है ? तो अंकल बोले- आई लव यू। मैं तुम्हें पसंद करता हूं। और मैं तुम्हें बहुत ज्यादा प्यार करना चाहता हूँ।

मैं थोड़ा परेशानी में सोचने लगी कि अगर मैंने इन्हें मना किया तो ये मेरी इस वीडियो को किसी को दिखा न दें। मैंने उनसे सोचने के लिए कुछ दिनों का वक़्त माँगा और वहां से बिना कुछ बोले चली आई।

पहले तो मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूँ ? उन्हें क्या जवाब दूँ ? मैंने पहली बार अपने अंदर एक जवान लड़की को महसूस किया था जिसको एक ऐसे इंसान ने प्यार का प्रस्ताव दिया था जो मेरे अब्बू का दोस्त था। मुझसे उम्र में लगभग दुगना बड़ा था। उसकी गोद में मेरा खेलना कूदना होता था बचपन में। मेरी सहेलियाँ इस उम्र में अपने अपने बोयफ्रैंडस बना चुकी थी। वे सब उनके साथ मौज मस्ती भी किया करती थी।

पर मुझे इस बारे में न तो कोई दिलचस्पी थी पहले से और न ही कुछ ज्ञान। पर मुझे पता था कि यह रिश्ता अगर मैंने रखा तो मेरी ये तरह से मौज हो जाएगी। न अंकल मुझे कभी पैसों की कोई कमी होने देंगे और न ही इस रिश्ते से मुझे कोई डर था बदनामी का। क्योंकि वे मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते थे।

फिर भी मैं थोड़ी कशमकश में थी. पर कहीं न कहीं मैं तैयार थी क्योंकि पहली बार मुझे ऐसे किसी ने प्रोपोज किया था। जवानी के जोश का मजा मैं अंकल के साथ लेने को तैयार ही थी.

फिर ऐसे ही दो दिन निकल गए। हर बार जब अंकल मुझे मिलते तो मुझसे पूछते कि मेरा

जवाब क्या है?

पहले पहले तो मैं बस शरमाई ... मगर फिर अपनी जवानी के आगे मुझे झुकना ही पड़ा और मैं सब मर्यादा छोड़ छाड़ के मान गई।

हम दोनों में अब प्यार भरी बातें होने लगी थी। हर रोज़ अंकल मुझे मेरे लवर की तरह कॉलेज से लेने के लिए आ जाते। मैं भी उनसे चिपक के गाड़ी पर बैठ जाया करती। अब हम दोनों में एक दूसरे के जिस्मों को छू लेने की अगन भी होती थी। अंकल से ज्यादा तो मैं ही उतावली रहती थी हर बार उनके हर एक अंग को सहलाने के लिए!

पर अंकल बिल्कुल शांत रहते थे. पर जब उनको मौका मिले, चाहे वो मेरे घर में हो या बाहर कहीं भी, तब वो भी मेरे जिस्म के अंगों को सहला देते थे। हमें कोई अच्छा मौका नहीं मिल रहा था।

ऐसे ही हम लगभग 2 महीने तक एक दूसरे का मज़ा लेते रहे। मेरे घर पे हर बार कोई न कोई रहता ही थी। उनके घर पे भी उनकी फॅमिली थी. इसलिये उनके घर पे भी कुछ किया नहीं जा सकता था।

अंकल मुझसे हर बार बोलते- कुछ न कुछ तो जुगाड़ लगाना पड़ेगा हमारे अकेले में मिलने का! जहाँ मैं तुम्हें अपनी बीवी की तरह छू के प्यार कर सकूँ। मैं बस इस बात पर शर्मा कर रह जाती थी।

अंकल ने मेरे जिस्म को या मैंने उनके जिस्म को इतने दिनों तक न ही नंगा देखा था और न ही उन्होंने मेरे बदन को चूमा था।

हमें वक़्त ही कहाँ मिलता था ? और जब वक़्त मिलता तो वो भी 10 मिनट से ज्यादा नहीं मिलता। और हम दोनों भी किसी भी प्रकार का रिस्क नहीं लेना चाहते थे तो हम दोनों भी अपने ऊपर काबू रखा करते।

ऐसे ही कुछ दिन गुज़रे और अंकल ने मुझे कहा- दो दिन बाद हमारा एक त्यौहार है। उस दिन तुम कुछ बोल के घर से निकल जाना। मै तुम्हें घर से थोड़ी दूरी पर पिक कर लूँगा और उसके बाद हम दोनों मियाँ बीवी बन जायें ... ऐसी जगह पर ले जाऊंगा तुम्हें। चलोगी न मेरे साथ ? बनोगी न मेरी बीवी ?

मैंने बस शर्मा कर अपनी मुंडी हिला के स्वीकृति दी। तो अंकल बहुत खुश हुए।

अंकल ने अपने एक दोस्त की फैक्ट्री में जाने का प्रोग्राम बना लिया था, उन्होंने वहाँ पर सबकुछ सेटिंग भी कर ली थी पहले से ही। और मैं घर पर बोली- एक्स्ट्रा क्लासेस हैं इसलिए मुझे कॉलेज जाना पड़ेगा।

उस दिन मुझे पता था कि आज अंकल मुझे चोद कर ही मानेंगे. और मैं भी इस बात के लिए बिल्कुल तैयार थी।

इसिलए सुबह मैं जल्दी उठी और अपने सारे बाल साफ कर दिए। जैसे मैंने अपने बाल साफ किये, मैंने अपने आप को आईने में देखा। मेरी चमकती बिल्कुल साफ-सुथरी बिना बालों वाली चूत देखकर मेरे ही मुंह में पानी आ गया और मैं शरमा गई। खुद के दिल से बोलने लगी- आज तो मैं पूरी औरत ही बन जाऊंगी और पक्का बन जाऊंगी।

फिर मैंने अपने बाल संवारे और लिपस्टिक वगैरह लगायी और खुशबू भी लगाई। जिसके चलते सबको दिखा सकूं कि मैं कितनी हॉट हूँ और खास कर के अंकल को। फिर हल्के गुलाबी रंग की सलवार कमीज, काली ब्रा और पेंटी, बुरका, नकाब लगाया था। उसके नीचे हील वाली सैंडल पहनी थी।

त्यौहार वाले दिन सुबह अंकल मुझे बस स्टॉप से पिक करने वाले थे। हील वाली सैंडल की वजह से सब लोग मेरे पीछे गांड को देख रहे थे और आहें भर रहे थे।

10 मिनट में ही अंकल आ गए, उन्हें देखते ही मेरे दिल की धड़कन तेज़ हो गई। चुदना जो था मुझे आज उनसे!इसलिये मैं और ज्यादा उत्तेजित हो रही थी।

उनके साथ बाइक पर बैठकर निकल गई। बाइक पे हमारी कोई बात नहीं हुई, मैं बस उनसे चिपकी हुयी थी।

दस मिनट की दूरी पर एक इंडस्ट्रियल एरिया था, वहां अब्बू और अंकल के दोस्त की फैक्ट्री थी।

बाइक रोकते ही मैंने अंकल से पूछा- यह कौनसी जगह है अंकल ? मुझे बहुत डर लग रहा हैं यहाँ पे। कोई दूसरी जगह नहीं मिली आपको ?

तो अंकल बस मुस्कुराए और मुझसे कहने लगे- बेटी, कोई यहां पर टेंशन नहीं देने आएगा। ना ही हम दोनों को यहां पर कोई परेशानी होगी और ना ही कोई डर होगा। बस तुम मेरा थोड़ा सा साथ दे देना तो हम दोनों के मजे ही मजे होंगे। और मुझ पर विश्वास रखो कि तुम्हें कोई प्रॉब्लम नहीं आने दूंगा।

तो मैंने बस उनको 'ठीक है' इतना ही कहा और उनके साथ उनके पीछे पीछे चल दी।

अंकल मुझे फैक्ट्री में ले गए। अंकल ने गेट बंद किया और मुझे वॉचमैन के रूम में ले गए।

जैसे ही मैंने नकाब हटाया, अंकल मुझे लिप टू लिप चुम्मा करने लगे। यह मेरी जिंदगी का पहला बोसा था। मैं भी बिंदास होकर और बिना किसी रोकटोक के उनका साथ देने लगी। जवानी की आग तो मुझे और ज्यादा गर्म कर रही थी।

10 मिनट तक मेरे लबों को चूसने के बाद फिर अंकल ने मेरा बुर्का उतारा और साइड में रखा। अंकल मुझे गर्दन पर कान पर सब जगह पागलों की तरह किस करने लगे।

थोड़ी देर में अंकल ने मेरी कमीज उतारी ... पर यह सब कैसे हुआ मुझे पता ही नहीं चला। मैं तो उनके आगोश में थी और उनका साथ दे रही थी बस।

पर जैसे ही मुझे लगा कि मैं ऊपर से आधी नंगी हूँ। तो मैं शर्माते हुए अपने सीने को अपने हाथों और बाजुओं से छुपाने की कोशिश करने लगी.

मगर अंकल मेरे हाथ हटाकर मेरे सीने को दबाने लगे। ब्रा के ऊपर से ही मेरी चूची के निप्पल चूसने की कोशिश करने लगे।

आवेश में आकर अंकल ने मेरी ब्रा पकड़ के खींच दी जिसकी वजह से मेरी ब्रा टूट गई. अंकल पागलों की तरह मेरे सीने को चूसने लगे और मस्ती में मैं उनका सर अपने सीने में दबाने लगी।

10 मिनट के बाद अंकल अपने कपड़े उतारने लगे। उन्होंने जब अपनी पैंट उतारी तो उनके अंडरिवयर मैं से उनका लौड़ा साफ साफ दिखने लगा। जिसको देख कर डर गई क्योंकि वो बहुत बड़ा लग रहा था।

फिर अंकल ने मुझे नीचे सीधा लिटाया, मेरी सलवार और पेंटी दोनों एक साथ उतारी और खुद घुटने के बल बैठकर मेरी नयी नकोर चूत को जुबान से चाटने लगे। जब मुझसे सहन नहीं हुआ तो मैं उनका सर पकड़ के अंदर दबाने लगी। मुझे बहुत सुकून मिल रहा था और मजा भी आ रहा था।

मेरी चूत से कुछ बहने लगा तो वो मेरी गांड के छेद तक चला गया। हाआआआय ... क्या अहसास था वो ... बिल्कुल गरम गरम!

तभी अंकल उठे और उन्होंने अपना अंडरिवयर उतार दिया। जब मैंने उनका लण्ड मेरी आँखों के सामने देखा तो मैं बहुत घबरा गई क्योंकि वह किसी डंडे से कम नहीं था. लौड़े

का साइज 6 इंच लंबा 2 इंच मोटा था।

उन्होंने पहले अपने हाथ से सहलाना सिखाया फिर उन्होंने अपना लण्ड मेरे मुंह में डालने लगे। मगर वह अंदर घुसने ही नहीं लगा तो जबरदस्ती उन्होंने अपना लौड़ा मेरे कोमल मुंह के अंदर डाल दिया और मुझे आइसकीम की तरह उसको चूसने बोला।

मैं उनके आदेश का पालन करने लगी। पूरा मुंह के अंदर लेने की कोशिश करने लगी और अंकल उनके मुंह से अजब गजब आवाज ही निकाल रहे थे। जैसे उनको बहुत सुकून मिल रहा था।

करीब 10-12 मिनट मैं उनका सफ़ेद गाढ़ा पानी डिस्चार्ज हो गया और वह सब मुझे अपने हलक में नीचे उतारना पड़ा।

फिर अंकल ने मुझे सीधा लिटाया मेरी दोनों टांगें फैला दी और खुद घुटने के बल बैठ गए। मैं डरने लगी क्योंकि उनका लण्ड बहुत लंबा और बहुत मोटा था और मेरी चूत की मोरी इतनी बारीक थी कि मेरी उंगली भी सही से नहीं जाती थी।

अंकल ने मेरी दोनों टांगों को पकड़ कर अपनी कमर के गिर्द लिपटाया और मुझ पर झुक गए. अंकल ने अपना लण्ड मेरी चूत के छेद पर रख दिया। मैं अंकल को बोली- मुझे बहुत डर लग रहा है, यह अंदर कैसे जाएगा? इससे मेरी चूत फट जाएगी।

तो अंकल बोले- कुछ नहीं होगा ... टेंशन मत लो। और अंकल अपना लण्ड उसके अंदर डालने की कोशिश करने लगे। जब एक छोटे से डिब्बे में ज्यादा चीजें भरो तो क्या होता है वैसी ही मेरा हाल था।

अंकल ने अपने लण्ड के मुंह पर थूक लगाया और उसको अंदर डालने लगे। मुझे दर्द होने

लगा और मैं चीखने लगी- उम्म्ह... अहह... हय... याह... अम्मी ... मुझे बचाओ। पर अब तो बहुत देर हो चुकी थी। थोड़ी देर में अंकल का आगे का हिस्सा मेरी चूत में घुस गया। इस दर्द को सह कर मेरी आंख से आंसू आने लगे। दर्द के मारे मैं बेड की चादर खींचने लगी।

मैं बोली- अंकल हो गया ना ? तो वे बोले- अभी तो सिर्फ टोपा ही गया है। पूरा तो बाकी है। मैं बोली- बस अंकल ... इतने में ही करो, बहुत दर्द हो रहा है। तो अंकल बोले- थोड़ा दर्द होगा। पर बाद में बहुत मजा आएगा.

और बात करते करते ही अंकल अपने लण्ड को अंदर धकलने लगे और मेरे निप्पल को चूसने लगे।

मुझे दर्द हो रहा था और मैं रो रही थी।

अचानक उनका लण्ड अंदर किसी चीज से टकराया और मुझे बहुत दर्द हुआ। तब अंकल मुस्कुराए पर मैं समझी नहीं।

अंकल अपने होंठ मेरे होठों पर रखें अपने हाथ से मेरे हाथों को पकड़े और उसके साथ एक जोर का धक्का मारा।

और मैं बिना पानी की तरह मछली जैसे तड़पती है न ... वैसे ही अंकल के नीचे तड़प के रह गई और अंकल का लण्ड पूरा अंदर घुस गया।

मुझे मेरी चूत से कुछ बहता हुआ महसूस हुआ।
मैंने कराहते हुए अंकल से पूछा तो वो बोले- मुबारक हो मेरी जान ... अब तुम एक लड़की
से औरत बन गई हो। अब बस जिंदगी के बिंदास मज़े लो।
फिर अंकल धीमे धीमे धक्के मारने लगे.

कुछ देर बाद मुझे दर्द कम हुआ और मैं मस्ती में आकर अंकल का साथ देने लगी। फिर अंकल जोर से धक्के मारने लगे जिसकी वजह से मेरा सीना हवा में उछलने लगा।

15 मिनट बाद अंकल डिस्चार्ज हो गए और उन्होंने सारा पानी मेरे अंदर ही डाल दिया। पता नहीं मैंने कितनी बार अपना पानी छोड़ा ?

तब कुछ समझ नहीं थी न इसलिए। पर अब लगता है कि कम से कम 5 बार तो झड़ी ही होऊँगी मैं!

अभी भी वो मेरे ऊपर ही लेटे थे तो मैंने अंकल को साइड में हटाया और उठकर बैठने की कोशिश करने लगी।

जैसे तैसे मैं उठी तो मैंने क्या देखा ... चादर पर खुन था.

तो मैं और ज्यादा डर गई।

अंकल बोले- यह फर्स्ट टाइम सेक्स करने में खून आता है। यानि तुम लड़की से औरत बन गई हो। मैंने तुम्हारी सील तोड़ी है। अब तुम जिसका चाहे उसका लौड़ा अपनी चूत में ले सकती हो।

यह सुन कर मैं थोड़ा शरमा गई और अंकल मुस्कुराने लगे।

फिर थोड़ी देर के बाद अंकल फिर से शुरू हो गया। अब तो मैं भी उनका खुलेआम साथ दे रही थी। न ही मुझे उनके मेरे शरीर के किसी भी अंग को दबाने में कोई प्रॉब्लम थी और ना ही अब मैं शर्म आ रही थी। मैं तो बस खुलकर अब चुदना चाहती थी और इसीलिए मैं उनका खुला साथ दे रही थी।

जैसे अंकल मुझे चूमने लगे, मैं अपनी दोनों टांगें उनकी गांड पर लपेटकर उनका साथ और उसी तरह चूम कर देने लगी।

अब अंकल मेरे दूध भी दबाने लगे और मैं उनके लोड़े पर हाथ रखे हिलाने लगी। और मैं अब खुशी से पानी छोड़ रही थी जो मेरी चूत से निकल रहा था. फिर अंकल ने मुझे घोड़ी बना कर खड़ा किया और मेरे पीछे आ गए। अब अंकल अपना लौड़ा मेरी गांड के छेद पर सेट करने लगे।

मैं कुछ समझ पाती ... इससे पहले अंकल अंदर धक्का देने लगे और उनका लौड़े का टोपा मेरी गांड में घुस गया और मैं जमीन पर उल्टी लेट गई।

अंकल पूरी ताकत से अपना लण्ड मेरी गांड में डालने लगे। मैं चिल्ला रही थी, रो रही थी मगर अंकल कहां मानने वाले थे।

मैं इस धक्के से उभर पाती तब तक उन्होंने मुझे एक और शॉट दिया और उन्होंने अपना पूरा लण्ड मेरी गांड में गाड़ दिया।

अब मैं और ज्यादा रोने लगी। पर उनको कुछ फर्क नहीं पड़ा। वो वैसे ही मुझे चोदने लगे और हर एक धक्के में मेरी गांड हिलने लगी।

मैंने अपने होंठ बंद कर लिए थे ताकि अब मैं चिल्ला न सकूँ और मैं ऐसे ही चुदने लगी थी।

फिर करीब 20 मिनट तक अंकल ने मेरी गांड मारी और उनके लौड़े का सारा का सारा पानी मेरी गांड के अंदर डाल दिया।

थोड़ी देर मैं ऐसी ही लेटी रही। जैसे ही उनका लौड़ा छोटा हुआ, वो अपने आप मेरी गांड से बाहर निकल गया।

फिर मैं उठी तब अंकल ने मुझसे पूछा- मजा आया ? तो मैं बोली- हां बहुत आया अंकल और सुकून भी। अंकल बोले- अब कब सेक्स करोगी मेरे साथ ? मैं बोली- जब बोलोगे, जहां बोलोगे, वहां करूंगी। यह कहते हुए मैं उठकर कपड़े पहनने लगी। मेरी ब्रा तो अंकल ने तोड़ दी थी तो बिना ब्रा के कमीज पहनी। पतला कपड़ा होने की वजह से मेरे निप्पल कपड़े के ऊपर नजर आने लगे थे।

अंकल ने मेरी ब्रा और पेंटी अपने पास निशानी के तौर पर रख ली। तो मैंने बिना ब्रा और पेंटी के सलवार कमीज पहनी। फिर बुर्का पहना और नकाब लगाया। हील की सैंडल की वजह से मेरी गांड और सीना दोनों हिलने लगे पर अब मुझे उसकी कोई फ़िक्र नहीं थी।

अंकल के साथ बाइक पर बैठकर हम चल दिए. रास्ते में अंकल ने मेडिकल से आई-पिल ला कर दी। फिर थोड़ा आगे चल कर अंकल पानी की बोतल लाये, मैंने वहीं वो गोली खाई.

फिर अंकल ने मेरे घर से थोड़ी दूर बाइक रोकी. बाइक से उतर कर मैं पैदल चलने लगी तो मेरे पैर सीधे नहीं पड़ रहे थे. जैसे कैसे मैं घर पहुंची तो बिना ब्रा की वजह से मेरा सीना उछल रहा था। अम्मी के पूछने पर मैंने बताया- अम्मी ब्रा की हुक टूट गई है.

और मैं अपने कमरे में आकर कपड़े बदल कर सो गई।

तो दोस्तो, यह थी मेरी नयी पाठिका की कहानी। मुझे आशा है कि इस सील तोड़ कहानी ने मर्दों, लड़कों का लौड़ा खड़ा कर दिया होगा, लड़कियों, भाभी, औरतों की चूत भी गीली कर दी होगी।

तो जिनका लौड़ा खड़ा हुआ है वे अपना लौड़ा अपनी बीवी या प्रेमिका की गांड चूत में डालें और हिलाएं। और जिन लड़िकयों औरतों की चूत खुजली से मचल रही है वे अपनी चूत अपने पितयों प्रेमियों से चुदवायें।

अगर आपका रेसपोंस पिछली कहानियों जैसा अच्छा मिला तो और नयी कहानी लिखूँगा. मुझे आपके मेल का इंतजार रहेगा.

मेरी मेल आईडी है charliej75531@gmail.com

धन्यवाद.

आपका चार्ली जोसेफ़

Other stories you may be interested in

झट शादी पट सुहागरात-3

दोस्तो, आपने मेरी कहानी झट शादी पट सुहागरात पढ़ी. कहानी पर आपने विचारों से भारी आपकी ढेर सारी ईमेल मिली. अब आप आगे की कहानी पढ़ें कि कैसे झटपट शादी और सुहागरात के बाद हमने अपना हनीमून मनाया. हमारी सुहागरात [...]

Full Story >>>

दो कॉलेज गर्ल, तीन चोदू लड़के ग्रुप सेक्स

हाय दोस्तो, मैं जैस्मिन ... अभी तक मैंने दो सेक्स स्टोरी लिख कर आप सभी के साथ स्टोरी शेयर की थीं, जिसमें आप लोगों का जो प्यार मुझे मिला है, उसके लिए मैं शुक्रगुजार हूँ. आप सभी के प्यार की [...] Full Story >>>

एक दिन की ड्राईवर बनी और सवारी से चुदी-2

मेरी सेक्सी कहानों के पहले भाग एक दिन की ड्राईवर बनीं और सवारी से चुदी-1 में आपने पढ़ा कि मैं अपने पापा की कैब लेकर सवारी लेने निकल पड़ी. एक खूबसूरत नौजवान मुझे मिला सवारी के रूप में. उसे जल्दी [...]

Full Story >>>

चुम्बन करते ही वीर्यपात हो जाता है

मैं 22 साल का हूँ। मैं तब तक सेक्स नहीं करना चाहता जब तक मेरी शादी ना हो जाये। जब मैं अपनी गर्ल फ्रेंड के साथ एकान्त में होता हूँ तो हम सेक्स नहीं करते, अधिकतर सिर्फ चुम्बन करते हैं। चुम्बन [...] Full Story >>>

हॉकी टूर्नामैंट के बहाने चूत गांड चुदवाई

अन्तर्वासना पढ़ने वाले हर पाठक को मेरा प्रणाम. आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मेरी टीचर के साथ मेरी पहली चुदाई की कहानी टीचर से सेक्स : सर ने मुझे कली से फूल बनाया को बहुत प्यार दिया. आप सभी के [...]

Full Story >>>